Brief Report of ICPR sponsored Periodical Lecture Held on 25th January at Govt. Rajindra College, Bathinda.

On 25th January 2023, an ICPR sponsored Periodical Lecture was organised at Government Rajindra College, Bathinda. Dr. Ravinder Puri, Principal, Govt. College Ratia and Dr. Vinod Arya Department of Sociology Central University of Punjab were the Resource persons. Principal Dr. Surjit Singh welcomed the speakers and motivated the students to make best use of the opportunity to gain knowledge. Ellaborating on the topic "Ethics of Globalisation", Dr. Ravinder Puri threw light on the importance of understanding individual and cultural values. The beliefs shape our understanding and behaviour which is an inherent part of the personality reflected through body language. Dr. Vinod Arya speaking on the topic "Contemporary Studies of Purusharthas" explained the words 'Purush' and 'artha' with context to society. He emphasised the relationship between Karl Marx's materialist approach and the need for reflexiveness in human beings as part of socialisation. Person sees himself in comparison to others and it's the reflection from others that makes him feel successful or failure. Referring to Descartes, there is a difference between human beings and animals. Human life gets meaning through 4 purusharthas I.e. dharma or virtue, artha or meaning of life, kaam or passion, and moksha or self perfection. 'Artha' and 'dharma' are the means to attain 'kaama' and 'moksha' as ends. Dr. Manjit Singh, Head, Department of Philosophy presented vote of thanks. Dr. Seema Gupta, Department of Psychology conducted the stage. Prof. Harinder Kumar, Prof. Nishma Rani, Prof. Amandeep Kaur, Prof. Gurjit Kaur, Prof. Ravinder Kaur Prof. Sultan Singh, Prof. Manvinder Singh graced the occasion with their presence. There were approximately 200 participants. Faculty and students from Akal University, Central University of Punjab and Government Brajindra College, Faridkot also participated wholeheartedly in the event.

25 जनवरी 2023 को सरकारी राजिंदरा कॉलेज, बठिंडा में आई.सी.पी.आर. प्रायोजित पीरियॉडिकल लेक्चर का आयोजन किया गया। डॉ रविंदर पुरी, प्राचार्य, सरकारी कॉलेज रतिया और डॉ. विनोद आर्य समाजशास्त्र विभाग सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ पंजाब रिसोर्स पर्सन थे। प्राचार्य डॉ. सुरजीत सिंह ने वक्ताओं का स्वागत किया और छात्रों को ज्ञान प्राप्त करने के अवसर का सर्वोत्तम उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। डॉ. रविंदर पुरी ने "नैतिकता के वैश्वीकरण" विषय पर विस्तार से व्यक्तिगत और सांस्कृतिक मूल्यों को समझने के महत्व पर प्रकाश डाला। हमारे नैतिक मूल्य हमारी समझ और व्यवहार को आकार देते हैं, जो हाव-भाव के माध्यम से परिलक्षित व्यक्तित्व का एक अंतर्निहित हिस्सा है। डॉ विनोद आर्य ने "पुरुषार्थों के समकालीन अध्ययन" विषय पर बोलते हुए 'पुरुष' और 'अर्थ' शब्दों को समाज के संदर्भ में समझाया। उन्होंने कार्ल मार्क्स के भौतिकवादी दृष्टिकोण और समाजीकरण के रूप में मानव में आत्मचिंतन की आवश्यकता पर जोर दिया। व्यक्ति खुद को दूसरों की तुलना में देखता है जो उसे सफल या असफल होने का एहसास करवाता है। उन्होंने डेसकार्टेस का जिक्र करते हुए, मनुष्य और जानवरों के बीच अंतर

को समझाया। चार पुरुषार्थों धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष- से मानव जीवन को अर्थ मिलता है। अर्थ-धर्म, काम-मोक्ष को प्राप्त करने के साधन हैं। दर्शनशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. मनजीत सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया। मनोविज्ञान विभाग की डॉ. सीमा गुप्ता ने मंच संचालन किया। प्रो. हरिंदर कुमार, प्रो. निश्मा रानी, प्रो. अमनदीप कौर, प्रो. गुरजीत कौर, प्रो. रविंदर कौर, प्रो. सुल्तान सिंह, प्रो. मनविंदर सिंह ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई। इसमें करीब 200 प्रतिभागी थे। अकाल यूनिवर्सिटी, तलवंडी साबो, सेंट्रल यूनिवर्सिटी पंजाब, बठिंडा और सरकारी ब्रजिंदरा कॉलेज, फरीदकोट के शिक्षकों और छात्रों की इस कार्यक्रम में पूर्ण प्रतिभागिता रही।

Govt. Rajindra College, Bathinda
Department of Psychology and Philosophy
ICPR
Organisers
Periodical Lecture
Topic: Ethics of Globalisation
Resource Person: Dr. Ravinder Puri
Topic: Contemporary Studies of Purusharthas
Resource Person: Dr. Vinod Arya

GPS Map Camera
Bathinda,PB,India
Old City, Bathinda, 151005, PB, India
Lat 30.200039, Long 74.944871
01/25/2023 12:15 PM GMT+05:30
Note : Captured by GPS Map Camera